


26/6/19

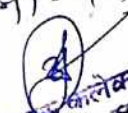
वकील प्रार्थीजान उपस्थित।
अप्रार्थी संख्या 01 से 05 के विरुद्ध
दिनांक 22-01-2019 को एकपक्षीय
कार्यवाही हो चुकी है। अतः वकील
प्रार्थीजान सुरेश मेहरा की एकपक्षीय बहस


सहायक जज
(020) रानी

सुनी गई। वकील प्रार्थी ने प्रार्थना-पत्र
 में वर्णित तथ्यों को दखलते हुए निवेदन
 किया कि मौजा गांव भगवानपुरा के ख.
 न. 458 रकबा 2.94 हेक्टेयर एवं
 खसरा न 374/628 रकबा 0.77 हेक्टेयर
 भूमि में $\frac{1}{3}$ हिस्सा एवं 456 रकबा
 0.01 हेक्टेयर ख. न. 457 में $\frac{1}{4}$ हिस्सा
 प्रार्थी के पिता जेनिया उर्फ जेनाराम पुत्र
 वरहाजी जालि मेगवंगी का था। जेनिया
 उर्फ जेनाराम की मृत्यु दिनांक 9-4-2000
 को हो चुकी है, जेनाराम की मृत्यु के
 पश्चात हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम
 1956 की धारा - 8 के अनुसार प्रथम
 की के वारिशन प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण
 हैं लेकिन कोर्टों की म्यूटेशन में प्रार्थी का
 नाम दर्ज नहीं किया गया है जबकि
 विधिनुसार प्रार्थीगण का भी हक-हिस्सा
 बनता है। अप्रार्थीगण उक्त भूमि में अपना
 नाम जालत रूपेण दर्ज करवाकर बादशाहत
 भूमि को शुरी-बुरी व हस्तान्तरण करने
 पर इमारात है, इस तरह की धमकियां
 अप्रार्थीगण प्रार्थीगण को दे रहे हैं।
 विधिनुसार अप्रार्थीगण को अपने जालत
 नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज होने के आधार
 पर बादशाहत भूमि को शुरी-बुरी व
 हस्तान्तरण करने का अधिकार नहीं है।

प्राची वकील ने निवेदन किया कि मूल वाद के निर्णय तक वादग्रस्त भूमि की रेकॉर्ड को एवं मौके की यथासिद्ध बनाई रखी जावे।

पत्रावली का अवलोकन एवं वकील प्राची की कहल पर भगन किया वादग्रस्त अराजी प्राचीगण व अप्राचीगण के पिताससूर की पुस्तेंनी हैं जिसमें प्राचीगण का एक-हिस्सा हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा - 8 के तहत बनाता है, इस कारण से प्रथम दृष्टया मामला प्राचीगण के पक्ष में है, दौराने काद वादग्रस्त अराजी अप्राचीगण शुरू-शुरू या हस्तान्तरित करते हैं तो प्राचीगण को असुविधा होगी व वाद कटुलयता वोगी जिस कारण से सुविधा का संकलन प्राची के पक्ष में है। अप्राचीगण दौराने का वादग्रस्त भूमि का बेचान हस्तान्तरण इत्यादि करते हैं प्राची गण को अप्ररणीय शक्ति होगी जिसका मूल्यांकन मुझ में किया जाना समत वही है। अतः प्रथम दृष्टया मामला सुविधा का संकलन एवं अप्ररणीय शक्ति तीनों सिद्धान्त प्राची के पक्ष में होने से प्राचीगण का प्राथमिकता


सहायक जजलेक्टर
(N.O.)

हुकम या कार्यवाही मय इनिसियल्स जज

नम्बर या तारीख
अहकाम जो इस हुकम की
तामिल में जारी हुए

स्वीकार किया जाता है कि मूल वाद
के निर्णय तब अप्रार्थीगण रेकॉर्ड की
यथास्थिति बनई रहे।

पत्रावली फंसल शूमार छेकर
मूल वाद से संलग्न छे।



सहायक कलेक्टर
(S.D.O.) रानी